एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 01 (जनवरी-फरवरी, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

ड्रैगन फ्रूट के लाभ एवं इसकी बीमारियों के उपचार

(*विनय कुमार कर्दम, डॉ दशरथ प्रसाद एवं राजाराम बुनकर)
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर, राजस्थान-334006
* vinaydeepak95@gmail.com

सात अरब से अधिक लोग जीवित रहने के लिए भोजन के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। कृषि ने कृषि योग्य क्षेत्रों में पौधों के प्रजनन और जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से मुख्य फसलों के उत्पादन में वृद्धि की है, जो अब औद्योगीकरण के कारण सीमित हो रहे हैं। मुख्य फसलें एक आम आहार बन गई हैं और लोगों को इन खाद्य पदार्थों से समान पोषक तत्व मिल रहे हैं, जंगली, विदेशी और कम उपयोग वाले खाद्य पौधों को पूरक या विकल्प के रूप में खोजा जा रहा है।

भारत और अन्य एशियाई देशों में, ड्रैगन फ्रूट्स (हाइलोसिरस प्रजाति) में एक प्रमुख ''नकदी फसल'' होने की क्षमता रखता है। इसके कई प्रकार है, लेकिन मुख्यता लाल ड्रैगन फ्रूट, सफेद ड्रैगन फ्रूट एवं पीले ड्रैगन फ्रूट। ड्रैगन फ्रूट का अंडाकार आकार, लाल रंग और इसके फल 10–15 सेमी के बीच होते हैं इसका वजन का 300 से 500 ग्राम के बीच होता है इसका स्वाद मीठा से हल्का खट्टा होता है और इसमें कई छोटे काले बीज होते हैं जो खाए जा सकते हैं। पीले ड्रैगन फ्रूट छोटे आकार के और लगभग 100 ग्राम वजन के होते हैं और बहुत मीठे होते हैं।

ड्रैगन फ्रूट को एक लम्बे दिन का प्रकाशग्राही पौधा बताया गया है । ड्रैगन फ्रूट का पौधा एक एपिफाइटिक है जहां इसे नरम तनों और शाखाओं को सहारा देने के लिए स्तंभों की आवश्यकता होती है। ड्रैगन फ्रूट, बेल कैक्टस का पौधा जल–कुशल और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर है, इसके औषधीय लाभ हैं और यह उत्पादकों के लिए आय का एक स्रोत है।

ड्रैगन फ्रूट विटामिन और खनिजों से भरपूर होते हैं जो कि शरीर के चयापचय को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। यह पाचन और रक्त संचार के लिए अच्छा होता है। रिपोर्टों से पता चला है कि ड्रैगन फ्रूट्स उच्च रक्तचाप को कम करने और शरीर में विषाक्त पदार्थों को बेअसर करने के लिए असरकारक है। ड्रैगन फ्रूट में उच्च एंटीऑक्सीडेंट सामग्री होती है जिसका उच्च चिकित्सा मूल्य होता है। ताजे खाने के अलावा, ड्रैगन फल को प्राकृतिक खाद्य रंग जैम, शराब और अन्य उत्पाद में भी

उपयोग किया जा सकता है। यह प्राकृतिक खाद्य रंग होना सुरक्षित है उपयोग किया जाता है क्योंकि इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होता है और हमारे स्वास्थ्य को कोई ज्ञात नुकसान नहीं होता है।

हालाँकि, ड्रैगन फ्रूट्स की खेती में किसानो की धारणा बनी हुई है, कि इसमें इसमें नुकसान नहीं होता, रोग नहीं लगते, कीटों का आक्रमण नहीं होता, निमेटोड नहीं लगते जबकि ये गलत धारणा है। वर्तमान में उत्पादकों के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं में उपज और गुणवत्ता–सीमित बीमारियाँ हैं। जबकि इसमें जड़ वेधक एक कीट है जो कि इसको बहुत हानि पहुँचाता है। फल मक्खी भी इसको काफी नुकसान पहुँचती है। निमेटोड भी इसको बहुत नुकसान करते है। मुख्यतया इसमें जीवाणु जनित रोग एवं कवक जनित रोग बहुत ज्यादा लगते हैं।

प्रमुख दुश्मन तना एवं जड़ गलन हैं जो *जैंथोमोनास कैम्पेस्ट्रिस* के कारण होता है इस बीमारी की वजह से ड्रैगन फ्रूट फार्म नहीं बचते और उत्पादन एक दम से कम हो जाता है । तीन ड्रैगन फलों की प्रजातियां, *हाइलोसिरस मोनकेन्थस, हाइलोसिरस अंडैटस* एवं *हाइलोसिरस मेगालेन्थस* अलग–अलग तनों और रूट–स्टेम कटिंग दोनों में स्टेम कैंकर के लिए अतिसंवेदनशील हैं। अगर इसे जीवाणुनाशकों से नियंत्रित नहीं किया जाता है, तो खेत एक बार संक्रमित होने के बाद यह बीमारी चारों तरफ फैल जाती है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि जिन शाखाओं में रोग अधिक लग चुका है उन शाखाओं को काट दिया जाना चाहिए तथा रोग से ग्रसित शाखाओं को खुले में नहीं छोड़ना चाहिए रोगग्रसित शाखाओं को सही जगह जला देना चाहिए या दूर फेंक देना चाहिए।

एक और बीमारी, कवक द्वारा जनित रोग फोमोप्सिस और डोथिरेल्ला द्वारा संक्रमण है। जिसके कारण फलों पर काले धब्बे पड़ जाते हैं। फफूंदनाशकों के नियमित नियंत्रण से रोग के प्रकोप को कम किया जा सकता है।

हालांकि, ड्रैगन फ्रूट के उत्पादन में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके उपयोग जैसे रोग और प्रतिरोधी रोपण सामग्री, बेहतर फसल प्रबंधन प्रथाओं, कटाई के बाद की हैंडलिंग और भंडारण प्रबंधन, साथ ही प्रौद्योगिकी का कुशल हस्तांतरण करके इसका उत्पादन बढ़ाया जा सकता है।

E-Magazine for Agricultural Articles